गुरुजी मेरे कर्मो की

गुरु जी मेरे कर्मों की पोथी ना खोलना
न्याय तराजू में ना तोलना.......2
गुरु जी मेरे कर्मों की पोथी ना खोलना

1) पाप ना जानू , पुण्य ना जानू
बस तुमको ही , अपना मानूं
करना कभी भी , डावांडोल ना
गुरु जी मेरे कर्मों की पोथी ना खोलना

2) मोहमाया में , हम हैं उलझे
अंतर्यामी , तू सब समझे
खोल मजबूरों की तू पोल ना
गुरु जी मेरे कर्मों की पोथी ना खोलना

3) आन पड़ा हूं , चरणों में तेरे
कर ना हिसाब तू , कर्मों का मेरे
साहिल को ऐसे टटोल ना
गुरु जी मेरे कर्मों की पोथी ना खोलना

4) एक भरोसा , तुझमें अटल है
ओ . पी निर्बल का , एक तू बल है
बस यही मुझको , है बोलना
गुरु जी मेरे कर्मों की पोथी ना खोलना

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/22685/title/guruji-mere-karmo-ki

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |